**सालगराम विज**

सालगराम विज का जन्म तलवन में 1903 में हुआ। उन्होंने लखनयू यूनीवर्सिटी में कानून की पढ़ाई की, और 1920 और 30 के दशक में वे कांग्रेस पार्टी के सक्रिय सदस्य रहे। 1931 में वे ब्रिटिश सरकार द्वारा गिरफ़तार किए जाने से बचने के लिए अपने परिवार को भारत में छोड़ कर इंगलैंड आ गए।

सालगराम विगन में रहने लगे परंतु वे कानून की प्रेक्टिस न कर सके। वे अपनी पत्नी और बच्चों के गुज़ारे लिए पैसे घर भेजने के लिए एक ही काम कर सकते थे – फेरीवाले का। उन्होंने अपना कारोबार स्थापित करने के लिए बहुत मेहनत की, और अंत में लिवरपूल के सिटी सेंटर में दुकान खोल ली।

सालगराम 1940 से दशक के शुरू में लिवरपूल की लॉरैल रोड पर रहने लगे। भारत से आने वाले सम्बंधियों और मित्रों का वे स्वागत करते थे, जिनमें उनके भतीजे लाजपत विज भी थे। जब वे लोग काम और रिहाइश की तलाश कर रहे होते, तो सालगराम उन्हें भोजन, कपड़े और पैसे देते। जब सालगराम अधिक समय घर में बिताने लगे, तो वे अपने भतीजे के बच्चों की देखरेख करने लगे। सालगराम का देहांत 1955 में हुआ।